भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 90

उत्तर देने की तारीख: 18.07.2022

आत्मनिर्भर छात्र

†90. **श्री कराडी सनगन्ना अमरप्पा:**

डॉ.जयसिद्देश्वर शिवाचार्य स्वामीजी:

श्री बी.वाई. राघवेन्द्र:

श्री तेजस्वी सूर्याः

श्री प्रताप सिम्हा:

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षा पूरी करने के बाद छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देशभर में कौशल विकास को अनिवार्य बनाने के लिए क्या कार्ययोजना तैयार की गई है;

(ग) कौशल विकास में उन मुख्य क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है जिन्हें प्रारंभिक स्तर पर अनिवार्य रूप में शुरू करने के लिए चिह्नित किया गया है;

(घ) क्या अध्ययन के दौरान जिन छात्रों ने कौशल विकास की शाखा का विकल्प चुना है, यदि वे भविष्य में इसे कैरियर के रूप में अपनाते हैं तो उन्हें तकनीकी रूप से इसमें योग्य माना जाएगा; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) और (ख): सरकार का यह प्रयास है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरुप छात्रों को उनकी शिक्षा पूरी करने के बाद आत्मनिर्भर बनाया जाए। कौशल विकास/व्यावसायिक शिक्षा को सामान्य शिक्षा के साथ एकीकृत करने के लिए, जैसा कि एनईपी 2020 में अनुशंसित है, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और

प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श से राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) विकसित कर रही है।

(ग): सामान्य कौशल, जिसमें बुनियादी / मौलिक कौशल, लोगों से संबंधित कौशल, संकल्पनात्मक/चिंतन कौशल, व्यक्तिगत कौशल और गुण, व्यावसायिक दुनिया से संबंधित कौशल, सामुदायिक सेवा से संबंधित कौशल और व्यावसायिक कौशल शामिल हैं जो व्यवसाय और नौकरियों के लिए आवश्यक हैं, की पहचान कौशल के रूप में की गई है जिन्हें शिक्षा के प्रारंभिक चरणों में शुरु किया जाएगा।

(घ) और (ङ): तकनीकी या कार्यात्मक नौकरी कौशल और अनुभव, जैसे सॉफ्टवेयर, प्रक्रियाएँ, मशीनरी आदि का ज्ञान एक विशिष्ट कार्य से संबंधित है। स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा पूरी करने के बाद, छात्रों के पास आईटीआई/पॉलिटेक्निक/बी. वोक कॉलेजों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को चुनने का विकल्प होता है अथवा अकादमिक पाठ्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं या अपनी आकांक्षाओं और जरूरतों के आधार पर स्वरोजगार पर विचार कर सकते हैं। समग्र शिक्षा के तहत सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण की मौजूदा प्रणाली छात्रों को उनकी रुचि और आकांक्षाओं के अनुसार व्यावसायिक पथ चुनने का अवसर प्रदान करती है।

****